मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 347, मुंबई, शनिवार, 5 अप्रैल, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

अलविदा 'भारत कुमार'...

बॉलीवुड अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में आखिरी सांस ली। अभी तक मिली रही जानकारी के अनुसार वो बीते कुछ समय से बीमार थे। इस वजह से ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भारतीय सिनेमा में मनोज कुमार को 'भारत कुमार' के नाम से जाना जाता है। उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

इतनी संपत्ति के थे मालिक

सेलिब्रिटी नेट वर्थ के अनुसार मनोज कुमार की कुल संपत्ति लगभग 20 मिलियन डॉलर यानी लगभग 170 करोड़ रुपये आंकी गई थी। उन्होंने ये संपत्ति भारतीय सिनेमा में एक लंबे और सफल करियर से बनाई थी, जहां उन्होंने एक अभिनेता, निर्देशक और पटकथा लेखक के रूप में काम किया। अभिनय के अलावा उन्होंने अपनी कुछ सबसे प्रसिद्ध फिल्मों का निर्देशन भी किया, जो बॉक्स-ऑफिस पर हिट रहीं। उनकी ये कमाई अब परिवार के पास ही जाएगी।

मनोज कुमार की प्रेम कहानी

मनोज कुमार की पत्नी शशि गोस्वामी हैं। दैनिक जागरण को दिए एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने अपनी प्रेम कहानी को याद करते हुए कहा था, 'ग्रेजुएशन के दिनों में मैं अपने एक दोस्त के घर पुरानी दिल्ली में पढ़ने जाता था और यहीं पर मैंने पहली बार शशि को देखा था। भगवान कसम, मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी किसी लड़की को बुरे इरादे से नहीं देखा, लेकिन शशि में कुछ ऐसा जादू था कि मैं उसके चेहरे से अपनी नजरें नहीं हटा पाता था। और डेढ़ साल तक हम दोनों ने एक-दूसरे को दूर से ही देखा था। क्योंकि उस समय हममें से किसी में भी एक-दूसरे से बात करने की हिम्मत नहीं थी।'

ट्रैक्टर कुंए में गिरने से 8 महिला मजदूरों की मौत

सीएम फडणवीस सहित पीएम मोदी ने आर्थिक सहायता देने का किया ऐलान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। नांदेड़ जिले के अलेगांव गांव में आज एक दुखद दुर्घटना हुई। नांदेड़ जिले के आलेगांव में हल्दी की कटाई के लिए जा रहा एक ट्रैक्टर गहरे कुएं में गिर गया। इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत की खबर की पुष्टि हुई है जबकि तीन को पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बचा लिया गया। बताया जा रहा है कि कई देर तक चले बचाव कार्य के दौरान सात महिला मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य को सुरक्षित बचा लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा सुबह 9 बजे उस समय हुआ जब हिंगोली से महिला मजदूर हल्दी की कटाई के लिए ट्रैक्टर से खेत की ओर जा रही थीं। रास्ते में ड्राइवर को कुएं का अंदाजा नहीं था, जिससे ट्रैक्टर सीधे कुएं में गिर गया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

माफी के लायक नहीं ये गलती...

अजित पवार और चंद्रशेखर बावनकुले ने किया वादा, दो दिन में मांगी रिपोर्ट

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि 10 लाख रुपये की अग्रिम राशि का भुगतान न किए जाने पर अस्पताल में भर्ती न किए जाने के कारण एक गर्भवती महिला की मौत के मामले की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को दंडित किया जाएगा। अजित पवार ने कहा कि घटना की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं। यह कथित घटना दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में 28 मार्च को हुई थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

डॉक्टरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करें

बावनकुले ने कहा, अस्पताल को राज्य सरकार से कई सुविधाएं मिली हैं। हाल ही में इसे पार्किंग की जगह आवंटित की गई है। सरकार अस्पतालों का समर्थन करती है, लेकिन अगर चिकित्सक या कर्मचारी इस तरह का व्यवहार करते हैं तो हम सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर्स के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित डॉक्टर या अस्पताल के खिलाफ पहले की कोई शिकायत होगी तो इसकी भी जांच की जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

दवा उद्योग पर संकट

भारत का औषधि उद्योग जेनरिक दवाओं के उत्पादन के लिए मशहूर है। कई गरीब देशों की स्वास्थ्य व्यवस्था तो लगभग पूरी तरह इन दवाओं पर ही निर्भर है। वैसे भारत में बनीं लगभग एक तिहाई दवाएं अमेरिका जाती हैं।

अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने दुनिया भर में अमेरिकी कारोबार के आगे पेश आने वाली गैर-शुल्क बाधाओं पर अपनी रिपोर्ट में भारत के औषधि उद्योग को खास निशाना बनाया है। भारत में जीवन रक्षक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के दाम नियंत्रित करने के चलन पर हमला बोला गया है। कहा गया है कि भारत में औषधि मूल्य विनियमन करने वाली एजेंसी- नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग ऑथरिटी (एनपीपीए) मुद्रास्फीति में हुई बढ़ोतरी और तकनीकी प्रगति का बिना ख्याल किए मूल्य नियंत्रण करती है। इससे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा है। इन कंपनियों ने इससे संबंधित अपनी चिंताएं एनपीपीए को बताई हैं, लेकिन उन पर ध्यान नहीं दिया गया है। इस तरह यूएसटीआर ने अमेरिका में भारतीय दवाओं पर नए टैरिफ के लिए तर्क तैयार किए हैं। भारत का औषधि उद्योग जेनरिक दवाओं के उत्पादन के लिए दुनिया भर में मशहूर है। कई कम आय वाले देशों की स्वास्थ्य व्यवस्था तो लगभग पूरी तरह इन दवाओं पर ही निर्भर है। वैसे भारत में बनीं लगभग एक तिहाई दवाएं अमेरिका जाती हैं। वहां ये आम लोगों के लिए सस्ती औषधि का प्रमुख स्रोत हैं। मगर ट्रंप प्रशासन की चिंता अमेरिकी कंपनियों का मुनाफा है। तो उसने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए चल रही वार्ता में इस उद्योग से संबंधित मुद्दों को शामिल कराया है। इस बीच अमेरिकी मीडिया के एक हिस्से में भारतीय दवाओं के सुरक्षित होने से संबंधित मसले को उछाल दिया गया है। भारत में निरीक्षण की कमजोर पड़ती गई व्यवस्था का परिणाम कुछ कंपनियों द्वारा मिलावटी दवाएं बनाने के रूप में सामने आया है। कुछ एशियाई और अफ्रीकी देशों- और यहां तक अमेरिका में भी एक दवा के कारण स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने की शिकायत हालिया वर्षों में आ चुकी है। अब इस मसले का इस्तेमाल भी भारतीय औषधि उद्योग को घेरने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा अमेरिका का दबाव भारत के पेटेंट कानून में बदलाव के लिए भी है। इन हालात में देश औषधि उद्योग के सामने खड़े हुए संकट से बचाव के उपाय भारत सरकार कर पाएगी? आखिर इस कारोबार से लाखों जिंदगियां जुड़ी हुई हैं।

दुःख की बात है कि क्रांतिकारी शमशेर सिंह भोसले (पारधी) ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी लेकिन उनका इतिहास लुप्त हो गया

मुंबई हलचल/ संवाददाता

पुणे। भास्कर भोसले की पुस्तक इतिहास और दर्द बाजार में विमोचित हुई और न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे भारत में आदिवासी पारधी समुदाय के घरों में खुशी का माहौल बन गया। हम यह नहीं भूल सकते कि लेखक भास्कर भोसले ने चार-पांच लाख रुपए कर्ज लेकर क्रांतिकारी शमशेर सिंह भोसले का इतिहास लोगों तक पहुंचाया था। सामाजिक कार्यकर्ता नामदेव भोसले ने नायगांव में एक कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज, 1 अप्रैल 2025, हमारे इतिहास के एक महान क्रांतिकारी शमशेर सिंह भोसले पारधी की पुण्यतिथि के स्मरण का दिन है। पारधी समुदाय के इस वीर सिपाही ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति देकर स्वराज की लौ को जीवित रखा। उनका जीवन और उनका बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणादायी है। शमशेर सिंह भोसले पारधी सिर्फ एक

योद्धा ही नहीं थे, बल्कि पारधी समुदाय के एक सच्चे नेता थे। उन्होंने अपने समुदाय को एकजुट किया और उन्हें अन्याय के खिलाफ लड़ने का साहस दिया। जंगल में उन्होंने इस समुदाय को आजादी के सपने दिखाए और उन्हें पूरा करने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं की। उन्होंने ब्रिटिश शासन के क्रूर दमन के विरुद्ध हथियार उठाए और अपनी बहादुरी से इतिहास के पन्नों में अमर हो गए। आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर हम सभी को उनके बलिदान को याद करना चाहिए। उनकी लड़ाई सिर्फ आजादी के लिए नहीं थी, बल्कि समानता और न्याय के लिए थी। उनके विचार और कार्य आज भी हमें अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की शक्ति देते हैं। शमशेर सिंह भोसले पारधी समुदाय के स्वतंत्रता सेनानी क्रांतिकारी पुण्यतिथि 1 अप्रैल 2025, हमारे इतिहास के एक महान क्रांतिकारी को याद करने का दिन है - शमशेर सिंह भोसले पारधी की पुण्यतिथि। पारधी समुदाय के इन बहादुर लोगों ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति देकर स्वराज की लौ को जीवित रखा। उनका जीवन और उनका बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा है। शमशेर सिंह भोसले सिर्फ एक योद्धा ही नहीं थे, बल्कि पारधी समुदाय के सच्चे नेता थे। उन्होंने अपने समुदाय को एकजुट किया और उन्हें अंग्रेजों और अन्याय के खिलाफ लड़ने का साहस दिया। वे जंगल में रहने वाले इस समुदाय के लिए आजादी के सपने लेकर आए और उन्हें पूरा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। उन्होंने अंग्रेजी सत्ता के क्रूर दमन के विरुद्ध हथियार उठाए और अपनी वीरता से इतिहास के पन्नों में अमर हो गए। आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर हम सभी को उनके बलिदान को याद करना चाहिए। उनकी लड़ाई सिर्फ आजादी के लिए नहीं थी, बल्कि समानता और न्याय के लिए थी। उनके विचार और कार्य आज भी हमें अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की शक्ति देते हैं। आइए हम इस क्रांतिकारी नायक को पूरे दिल से सलाम करें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें। इस प्रकार आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता नामदेव भोसले, वरिष्ठ लेखक. भास्कर भोसले, दिलीप भोसले, संजय भोसले, बलवर पवार, बिबिशन चव्हाण, सुनील चव्हाण, तुकाराम भोसले, अनिल पवार, सचिन भोसले, सुरेखा भोसले, सुनंदा भोसले, उपस्थित थे।

कानपुर में छात्रा के साथ दो बार बलात्कार कर भागे दबंग, शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। यहां महिलाओं के साथ जारी छेड़खानी और बलात्कार के क्रम में हाई स्कूल हाई स्कूल की छात्रा को भी शिकार बना लिया गया।उसके साथ दो बार रेप करने वाले दबंग अभी तक पकड़े नहीं गए हैं। प्राप्त विवरण के मुताबिक शिवराजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में हाईस्कूल की छात्रा के साथ गांव के दो युवकों ने दो बार दुष्कर्म किया। अब छात्रा के पिता ने पुलिस को तहरीर दी जिसपर पुलिस रिपोर्ट दर्जकर आरोपियों की तलाश कर रही। गांव निवासी पिता ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री गाजियाबाद में चाचा-चाची के रहती है। हाईस्कूल की परीक्षा देने के लिए वह 23 फरवरी को गांव आई थी। उसी समय गांव निवासी शानू व सौरभ ने उसे मोबाइल का एक सिम देकर बात करने के कहा। साथ ही, धमकी दी कि बात न करने पर पिता व भाइयों को जान से मार देंगे। भयवश बेटी उन दोनों से बात करने लगी। रात बेटी घर पर अकेली थी। दोनों दिन दोनों युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद बेटी ने परिजनों को आपबीती बताई। इसके बाद पिता ने मामले की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

निजी स्कूलों एवं किताब विक्रेताओं पर कार्यवाई के लिये एनएपीएसआर ने जताया जिलाधिकारी का आभार

देहरादून। निजी स्कूलों में महंगी होती शिक्षा व उनकी मनमानियों एवं किताब विक्रेताओं द्वारा महंगे दामों व नकली किताबों व उनकी मनमानियों के खिलाफ जिलाधिकारी देहरादून द्वारा विगत दिनों की गई कार्यवाई पर अभिभावकों मे संतोष एवं खुशी की लहर है जिसका आभार व्यक्त करने के लिए आज एनएपीएसआर का एक प्रतिनिधि मंडल ने संस्था के अध्यक्ष आरिफ खान की अध्यक्षता में शिष्टाचार भेंट कर जिलाधिकारी देहरादून का अभिभावकों की ओर से आभार व्यक्त किया साथ ही अन्य किताब विक्रेताओं एवं निजी स्कूलों की मनमानियों के खिलाफ कार्यवाई की मांग भी करी है जिस पर जिलाधिकारी ने लिखित शिकायत मिलने पर स्कूलों पर कार्यवाई का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल मे संस्था के पूर्व मंडल प्रभारी दीपक मलिक,सरदार गुरजेंद्र सिंह, एडवोकेट अरुण खन्ना,परमजीत सिंह,सुधीर कपूर एवं शांति प्रसाद जखमोला शामिल रहे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

क्राईम एंड करप्शन कंट्रोल एसोशिएशन की शाखा का अंधेरी में हुआ शानदार उद्घाटन

परवेज शेख बने सी एंड सी सी के मुंबई वाईस प्रेसिडेंट

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। अंधेरी वेस्ट गिलबर्ट हील गौषीया मस्जिद के सामने सागर सीटी गेट नंबर 1 के पास अंसारी मोहल्ला में क्राईम एंड करप्शन कंट्रोल एसोशिएशन की अंधेरी शाखा अध्यक्ष परवेज शैख की जानिब से में शानदार उद्घाटन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेमानों में महाराष्ट्र बीजेपी महाराष्ट्र माइनोरिटी सेल सेक्रेटरी और क्राईम एंड करप्शन कंट्रोल एसोशिएशन के नैशनल वाईस प्रेसिडेंट रिजवान सैय्यद, क्राईम एंड करप्शन कंट्रोल एसोशिएशन नैशनल चिप, दिनेश गुप्ता, जामनगर से जयु भा जाड़ेजा, समेत कई पोलिटिकल लिडर, सोश्यल एक्टिविस्ट, आदी मौजूद रहे। परवेज शैख की जानिब से

आए महेमानों की गाड़ीयों का काफिला जैसे ही अंधेरी एस व्ही रोड पर पहुंचा तो वहां से कारों को रेली के रुप में लाया गया और ड़ोंगर में अंसारी मोहल्ला में पहुंचने पर ढ़ोल नगाड़ों के साथ पटाखे की बारिश करते हुए पूरजोश स्वागत किया गया। बाद में आए हुए महेमानों में रिजवान सैय्यद और दिनेश गुप्ता के हाथों से रिबीन काट कर और केक काट कर पूरजोश उद्घाटन किया गया। इस मुबारक मौके पर दिनेश गुप्ता, और रिजवान सैय्यद ने वहां मौजूद लोगों को बताया की जिस तरह परवेज शैख और उनकी टीम काम कर रही है जिसके चलते आज से परवेज शैख को मुंबई वाईस प्रेसिडेंट बनाया जा रहा है। आगे उन्होंने बताया कि बहुत जल्द अंधेरी के डोंगर जैसे इलाकों में ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ आवाज उठाई जाएगी और इस इलाके को ड्रग्स फ्री बनाने का काम किया जाएगा।

आम के मौसम का मजा लें मदर्स रेसिपी के खास महाराष्ट्रीयन आम अचार के साथ

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। आम के इस मौसम में मदर्स रेसिपी आपको गर्मियों के इस स्वाद का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करता है। हमारा महाराष्ट्रीयन आम अचार अब 200 ग्राम पीईटी जार में सिर्फ 70 रुपयों में उपलब्ध है। इस मौसम में अपने खाने में शामिल करें महाराष्ट्र के पारंपरिक और लाजवाब स्वाद। हमारा महाराष्ट्रीयन आम अचार महाराष्ट्र की समृद्ध खान-पान की परंपरा को समर्पित है। इसमें कच्चे आमों को खास मसालों के मिश्रण के साथ डाला गया है। लाल मिर्च पाउडर की तीखी गर्मी और हल्दी की गहराई मिलकर इसे एक अनोखा

स्वाद देते हैं। हींग और भुने हुए मसाले इसे खास महाराष्ट्रीयन तड़का वाला स्वाद देते हैं। मेथी दाने की हल्की खुशबू अचार के स्वाद को और भी खास बना देती है। मदर्स रेसिपी की कार्यकारी निदेशक, संजना देसाई जी इस अचार के पीछे की प्रेरणा को साझा करते हुए कहती हैं, हमारा महाराष्ट्र मैंगो अचार सिर्फ एक चटनी या मिश्रन नहीं, बल्कि हर निवाले के साथ महाराष्ट्र की खान-पान की संस्कृति को महसूस करने का एक शानदार तरीका है। इसमें गर्मियों के असली स्वाद और पारंपरिक मसालों का जादू भरा हुआ है। अब यह अचार मुंबई, पुणे, नासिक और नागपुर सहित महाराष्ट्र के प्रमुख शहरों में उपलब्ध है। इसे आप बड़े रिटेल स्टोर्स, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और सुपरमार्केट से खरीद सकते हैं और आम के मौसम में अपने खाने में पारंपरिक स्वाद जोड़ सकते हैं।

मानकापुर शूटआउट मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 4 आरोपियों को किया अरेस्ट

नागपुर। नागपुर के मानकापुर थाना क्षेत्र में दुकान लगाने की जगह को लेकर हुए विवाद में एक सब्जी विक्रेता सोहेल बबूल खान (29) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जबकि उसका दोस्त मोहम्मद सुल्तान (35) गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में भांडेप्लॉट, उमरेड रोड निवासी भूषण उर्फ बाल्या जयकुमार बहाड (35), वाठोडा निवासी गजेन्द्र रामचंद्र मरकाम (34) और नरसाला रोड निवासी धीरज धर्मराज घोडमारे (39) के अलावा बापू नगर, नंदनवन निवासी चंद्रशेखर उर्फ चंदू शंकर रावजी डोंगरे (36) बताए गए। अन्य आरोपियों में प्रवीण कुर्व उर्फ बाल्या तथा अंकित उर्सबरसे की तलाश जारी है। मंगलवार को रात करीब 10.15 बजे जब साप्ताहिक बाजार लगा हुआ था दुकान लगाने की जगह को लेकर सोहेल का नंदू जायसवाल और उसके यहां काम करने वाले एक व्यक्ति से विवाद हो गया था। इस विवाद के बाद आरोपियों ने सोहेल को जान से मारने की धमकी दी थी। गुरुवार रात भूषण, गजेन्द्र, धीरज अपने अन्य साथियों चंद्रशेखर, प्रवीण और अंकित के साथ मिलकर सोहेल खान पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले सोहेल पर पिस्टल से फायरिंग की, फिर चाकू से हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हमले के दौरान सुल्तान को भी गोली मारी गई। हालांकि गोली उसके कान को छूते हुए निकल गई। इससे वह भी घायल हो गया। हत्या में शामिल 4 आरोपियों को अभी तक पुलिस ने पकड़ा है। इन सभी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस की मानें तो 2 रिवाल्वर का इस्तेमाल किया गया और करीब 4 राउंड फायरिंग भी हुई।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

अलविदा 'भारत कुमार'...

मनोज कुमार ने अपने एक्टिंग करियर में देशभक्ति फिल्में ज्यादा की हैं। इसलिए फैंस उन्हें प्यार से 'भारत कुमार' भी कहकर बुलाते थे। उनकी क्रांति और उपकार जैसी फिल्में खासी मशहूर हुईं। मनोज कुमार के निधन की खबर से उनके फैंस के साथ-साथ पूरा बॉलीवुड सदमे में है। सोशल मीडिया पर भी फैंस अपने चहेते कलाकार को याद कर भावुक हो रहे हैं। आपको बता दें कि मनोज कुमार ने चांद, हनीमून, कांच की गुड़िया, पिया मिलन की आस, सहारा, सुहाग सुंदूर, रेशमी रुमाल, क्रांति, उपहार जैसी फिल्मों में भी काम किया था। उन्हें नेशनल अवॉर्ड के साथ-साथ पद्म श्री और दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था। अभिनेता ने आगे बताया कि वह और शशि फिल्म उड़नखटोला देखने गए थे। उन्होंने आगे कहा, 'अपने दोस्तों के साथ फिल्म देखने के बाद, हम अक्सर मिलने लगे थे। जबकि मेरे माता-पिता को हमारे रिश्ते से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन शशि के भाई और मां हमारे खिलाफ थे। मैं अपने कॉलेज की छत पर जाता था और शशि अपने घर की छत पर जाती थी ताकि हम दोनों एक-दूसरे को देख सकें और किसी की नजर में न आएं।' मनोज और शशि के बेटे कुणाल गोस्वामी ने 1999 में रिलीज हुई जय हिंद का निर्देशन किया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली। दिग्गज अभिनेता के चचेरे भाई टीवी प्रोड्यूसर मनीष गोस्वामी हैं।

माफी के लायक नहीं ये गलती...

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अमित गोरखे के निजी सहायक की पत्नी तनीषा भिसे की दूसरे अस्पताल में जुड़वां लड़कियों को जन्म देने के बाद मौत हो गई थी। पुणे जिले के संरक्षक मंत्री पवार ने एक बयान में कहा, विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक समिति द्वारा घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। मैंने जिलाधिकारी से बात की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जांच में तेजी लाई जाए और यह पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से की जाए। उन्होंने बताया कि अस्पताल ने इस घटना के संबंध में अपना बयान दर्ज करवा दिया है और सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। अजित पवार ने कहा, सरकार इस घटना से आक्रोशित लोगों की भावनाओं को समझती है और दोषियों को कानून के अनुसार सजा दी जाएगी। नागरिकों को संयम बरतना चाहिए और सरकार का सहयोग करना चाहिए। मंत्री और भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने घटना का गंभीरता से संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा, बहुत बड़ी गलती हुई है और ऐसी गलती किसी भी तरह से माफी के लायक नहीं है। राज्य सरकार जरूरी कार्रवाई करेगी। हम किसी को नहीं छोड़ेंगे। यह बात तो छोड़ ही दीजिए कि मरीज किसी राजनीतिक नेता के पीए से संबंधित था या मुझसे, किसी भी गरीब मरीज को इलाज से वंचित करना अस्वीकार्य है। उचित जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर कुंए में गिरने से 8 महिला मजदूरों की मौत

महाराष्ट्र के नांदेड़ में हुए हादसे में लोगों की मौत से दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। अलेगांव में हुई इस दुखद दुर्घटना में 11 महिला मजदूरों को ले जा रहा एक ट्रैक्टर ट्रॉली कुएं में गिर गया। इस घटना पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शोक व्यक्त किया और सीएम राहत कोष से पीड़ितों के परिवारों के लिए 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और बचाव दल ने राहत कार्य शुरू किया। कुछ महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि अन्य की तलाश जारी है। बारिश के कारण क्षेत्र फिसलन भरा था, जिससे यह हादसा हुआ। दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बारिश होने के कारण सड़कें फिसलन भरी थीं। कुएं के पास अचानक ट्रैक्टर का टायर फिसल गया, जिससे चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और ट्रैक्टर सीधे पानी से भरे कुएं में गिर गया। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर पूरी तरह से पानी में डूबा गया और केवल एक टायर ही दिखाई दे रहा था। स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल द्वारा कुएं से ट्रैक्टर और ट्रॉली को बाहर निकालने के लिए क्रेन को बुलाया। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं कि ट्रैक्टर में कितने लोग सवार थे। हालांकि, 11 लोगों के होने की जानकारी अब तक सामने आई है। इस हादसे से बाद से इलाके में हड़कंप मच गया।

खबर संक्षेप

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति योल पद से हटाए गए

सियोल। दक्षिण कोरिया के संवैधानिक न्यायालय ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से राष्ट्रपति यून सुक-योल के महाभियोग को मंजूरी दे दी, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें पद से हटा दिया गया है। यह निर्णय दिसंबर में लगाए गए संक्षिप्त मार्शल लॉ के कारण लिया गया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मून ह्युंग-बे ने बताया कि यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो रहा है, जिससे दक्षिण कोरिया को यून के उत्तराधिकारी का चयन करने के लिए 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव आयोजित करना आवश्यक हो गया है, जो संभवतः 3 जून को होगा।

भारतवंशी कैथोलिक पादरी की गोली मारकर हत्या

वॉशिंगटन। अमेरिका के कैनसस में एक भारतवंशी कैथोलिक पादरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। चर्च के अधिकारियों ने बताया कि कैनसस के सेनेका शहर में यह घटना घटी। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। कैनसस सिटी के आर्कबिशप जोसेफ नौमान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि फादर अरुल कैरासाला की दुखद मौत की खबर साझा करते हुए बहुत दुख हो रहा है, उनकी आज सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई।

बैठकों में आपसी सहयोग और साझा हितों से जुड़े हुए मुद्दों पर विस्तार से की गई चर्चा

म्यांमार को भूकंप से उबरने में हर संभव मदद का दिया भरोसा

बैंकॉक में म्यांमार, नेपाल और भूटान के राष्ट्रप्रमुखों संग हुईं पीएम मोदी की बैठकें

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुक्रवार को बैंकॉक की राजधानी थाईलैंड में आयोजित किए गए छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से इतर म्यांमार, नेपाल और भूटान के राष्ट्रप्रमुखों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें हुईं। जिसमें म्यांमार के प्रधानमंत्री और स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन काउंसिल के अध्यक्ष वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग के साथ बातचीत में दोनों नेताओं ने सबसे पहले म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के मामले पर चर्चा की। इसमें ऑपरेशन ब्रह्मा के जरिए पड़ोसी देश को भारत द्वारा सबसे पहले राहत और सहायता प्रदान करने का मुद्दा भी शामिल रहा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में अपने म्यांमार के समकक्ष से पीएम मोदी ने कहा कि संकट की इस घड़ी में भारत अपने पड़ोसी देश की सबसे पहले मदद करने वाले देश के रूप में खड़ा है। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर और अधिक सहायता सामग्री और संसाधन तैनात करने के लिए भी तैयार है। गौरतलब है कि पिछले महीने 28 मार्च को म्यांमार में आए भूकंप में कुल करीब 3 हजार लोग मारे गए हैं और 5 हजार घायल हुए हैं।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जल्द बहाली जरूरी

प्रधानमंत्री ने जनरल ह्लाइंग से वार्ता में म्यांमार में समावेशी और विश्वसनीय चुनावों के जरिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शीघ्र बहाली के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत ने विश्वास को बढ़ावा देने, शांतिपूर्ण, स्थिर और लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा में म्यांमार के अपने और म्यांमार के नेतृत्व वाले परिवर्तन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए प्रयासों का समर्थन किया है। म्यांमार में जारी जातीय हिंसा से उत्पन्न मानवीय संकट के मामले को भी प्रधानमंत्री ने बातचीत के दौरान उठाया और कहा, इस संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है। स्थायी शांति केवल समावेशी संवाद के जरिए ही प्राप्त की जा सकती है।

भारतीयों को बचाने के लिए की सराहना

पीएम ने म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर साइबर घोटाला केंद्रों से भारतीयों को बचाकर उन्हें स्वदेश लौटाने में किए गए म्यांमार के सहयोग की सराहना की। दोनों पक्षों ने भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी गतिविधियों, अंतरराष्ट्रीय अपराधों और मानव तस्करी से निपटने में सहयोग की आवश्यकता पर सहमति जताई। म्यांमार में भारत के समर्थन से जारी बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं का विषय भी इस बैठक में शामिल किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार के सभी समुदायों की विकास संबंधी आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए भारत की तत्परता को म्यांमार के वरिष्ठ जनरल के समक्ष रेखांकित किया।

नेपाल, भूटान के शीर्ष नेताओं से मिले पीएम

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के साथ बैंकॉक में हुई बैठक को लेकर पीएम ने एक्स पोस्ट में बताया कि बैठक में दोनों देशों के अद्वितीय और घनिष्ठ संबंधों की समीक्षा की गई। भौतिक, डिजिटल संपर्क, जनता का संपर्क और ऊर्जा के क्षेत्र में हुई प्रगति पर दोनों नेताओं ने संतोष व्यक्त किया। साथ ही दोनों देशों और उनकी आम जनता के बीच बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में काम करना जारी रखने पर सहमति प्रदान की। सम्मेलन से इतर पीएम की भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे के साथ भी एक मुलाकात हुई। जिसका जिक्र एक्स पोस्ट में करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरे अच्छे मित्र प्रधानमंत्री तोबगे के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। दोनों देशों की मित्रता बहुत मजबूत है। हम कई क्षेत्रों में व्यापक सहयोग कर रहे हैं।

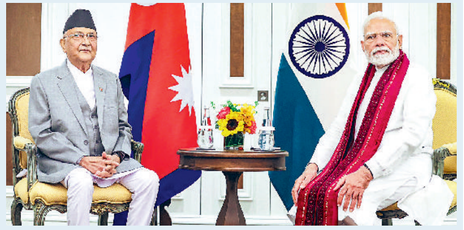

भूटान के पीएम ने की तारीफ

पीएम मोदी को बताया बड़ा भाई और गुरु, मदद के लिए जताया आभार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भूटान के पीएम शेरिंग तोबगे ने भारत और पीएम नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों को लेकर बयान दिया है। उन्होंने पीएम मोदी को अपना बड़ा भाई और गुरु बताते हुए कहा कि भारत की मदद और मार्गदर्शन ने भूटान के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

उन्होंने बताया कि भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना, जो जुलाई 2024 से शुरू हुई है, भारत की उदार सहायता से संभव हो रही है। इसमें 8500 करोड़ रुपए की मदद भारत से मिली है, वहीं भूटान की आर्थिक सुधार योजना के लिए 1500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता भी दी गई है। उन्होंने कहा, भारत से कुल 10,000 करोड़ रुपये की मदद हमें मिली है, इसके लिए हम बेहद आभारी हैं।

बिम्सटेक में भारत का नेतृत्व बहुत अहम

बिम्सटेक सम्मेलन पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का इस संगठन में नेतृत्व बहुत अहम है। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी इस क्षेत्र के सबसे बड़े नेता हैं, और बिम्सटेक की क्षमता को साकार करने में उनकी भूमिका खास है।' तोबगे ने बताया कि उन्होंने पीएम मोदी का लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट हिंदी और अंग्रेजी दोनों में सुना। उन्होंने कहा कि हिंदी कम समझ में आती है, लेकिन मैं फिर भी मूल भाषा में सुनना चाहता था। मुझे लगा जैसे मैं किसी आध्यात्मिक गुरु को सुन रहा हूं। यह अनुभव बहुत संतोषजनक था।

पीएम मोदी ने वाट फो मंदिर में पूजा-अर्चना की

पीएम नरेंद्र मोदी ने बैंकॉक में वाट फो मंदिर का दौरा किया और पूजा-अर्चना की। थाई पीएम पेतोंगटार्न शिनवात्रा भी मौजूद रहीं। वाट फो मंदिर, जिसे 'लेटे हुए बुद्ध का मंदिर' भी कहा जाता है, जो बैंकॉक, थाईलैंड में एक प्रसिद्ध बौद्ध मंदिर परिसर है। उन्होंने मंदिर के बौद्ध भिक्षुओं से भी मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया।

बोले, हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों की करें सुरक्षा, अनावश्यक बयानबाजी से बचने की दी सलाह

बैंकॉक में यूनुस से हुई मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी की दो टूक...

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में शुक्रवार को आयोजित किए गए छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस के बीच पहली द्विपक्षीय बैठक हुई।

जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने यूनुस को साफ शब्दों में यह स्पष्ट कर दिया कि उनके देश में हिंदुओं के अलावा बाकी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह से बांग्लादेश की सरकार की है। इस संबंध में उन्होंने भारत की चिंताओं से भी उन्हें (यूनुस) विस्तार से अवगत कराते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों और अन्याय के मामलों की विस्तृत पड़ताल की जानी चाहिए। साथ ही आपसी संबंधों को खराब करने वाली और माहौल को बिगाड़ने वाली किसी भी अनावश्यक बयानबाजी से बचने का आग्रह पीएम ने मोहम्मद यूनुस से किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत में ये उम्मीद भी जताई कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अपनी जिम्मेदारी को अच्छी तरह से निभाएगा। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बनी हुई तल्खी के बीच दोनों नेताओं की पहली मुलाकात

तख्तापलट के बाद से संबंधों में तनाव

यहां बता दें कि पिछले साल बांग्लादेश में हुए छात्रों के उग्र-हिंसक आंदोलन के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में शरण लेने के बाद से दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीच उनके तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस ने सत्ता संभाली हुई। समूचे घटनाक्रम के बीच पीएम मोदी और मोहम्मद यूनुस की यह पहली द्विपक्षीय मुलाकात हुई है। हालांकि इसके लिए बांग्लादेश की तरफ से ही भारत से अनुरोध किया गया था। शुरुआत में जिसे लेकर भारत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। भारत अल्पसंख्यकों पर बांग्लादेश में बढ़ते अत्याचार और मोहम्मद यूनुस की हालिया चीन यात्रा में उनके द्वारा दिए गए भारत विरोधी बयान को लेकर भी अपनी नाराजगी जता चुका है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के पूर्व में मामले पर भारत का रुख साफ किया था।

शेख हसीना के मुद्दे पर हुई चर्चा

बैठक के बाद एक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शेख हसीना और उनके प्रत्यर्पण से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा कि उनके बारे में बातचीत हुई। लेकिन पूर्व में ही भारत की तरफ से विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया था कि हमारे पास बांग्लादेश की तरफ से इस मुद्दे पर एक निवेदन आया है। इस समय इस विषय पर कुछ और कहना मेरे लिए उचित नहीं होगा। वहीं, सूत्रों ने कहा कि शेख हसीना के मामले को बैठक में बांग्लादेश की तरफ से उठाया गया था।

लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण बांग्लादेश के समर्थक

मिस्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोहम्मद यूनुस की बैठक में पीएम मोदी ने एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, हम बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने के इच्छुक हैं। सीमा पर कानून का सख्त अनुपालन और अवैध ढंग से खासतौर पर रात के समय में सीमा पार करने के मामले को पीएम ने बैठक में उठाया और कहा कि सीमा पर सुरक्षा, स्थिरता आवश्यक रूप से बनाए रखनी चाहिए। द्विपक्षीय तंत्र को मुलाकातों के जरिए संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए समीक्षा करने का जिक्र भी प्रधानमंत्री द्वारा बैठक में किया गया।

द्विपक्षीय आधार पर हल किए जाएं मामले

प्रधानमंत्री ने बैठक में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार से यह भी कहा कि दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े हुए मामलों को द्विपक्षीय आधार पर रचनात्मक चर्चा के जरिए हल किया जाना चाहिए। जो भारत और बांग्लादेश की दीर्घकालिक और साझा लाभप्रद द्विपक्षीय भागीदारी के लिए उपयोगी है। उन्होंने वार्ता में इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों का सहयोग हमारे लोगों के हित में भी है। प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया को बिम्सटेक की आगामी अध्यक्षता संभालने को लेकर बधाई दी।

ट्रंप के जवाबी टैक्स के ऐलान बाद ट्रेड वार की ज्वाला भड़की!

चीन का अमेरिका पर बड़ा प्रहार, 34% टैरिफ से किया पलटवार, कनाडा ने भी लगाया शुल्क

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किए गए दुनिया के सबसे बड़े टैरिफ युद्ध में चीन ने वाशिंगटन को कड़ी टक्कर दी है। चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सभी अमेरिकी उत्पादों पर 34 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन ने शुक्रवार को ऐलान किया कि वह 10 अप्रैल से सभी अमेरिकी उत्पादों पर 34% का अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा। यह कदम अमेरिका द्वारा लगाए गए समान टैरिफ के जवाब में उठाया गया है। कुछ दिन पहले, डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जिसमें चीन पर 34% टैरिफ शामिल था।

अमेरिकी वाहनों पर लगाया 25% टैरिफ

कनाडा ने अमेरिका में निर्मित वाहनों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। पीएम मार्क कार्नी ने इस लए फैसले की घोषणा की, जो शुक्रवार से प्रभावी हो गया है। उन्होंने कहा कि इस टैरिफ से मिलने वाला राजस्व कनाडा के ऑटोमोबाइल उद्योग और वहां के कामगारों के समर्थन में लगाया जाएगा। कनाडा द्वारा लगाया गया यह नया टैरिफ पूरी तरह से तैयार वाहनों पर लागू होगा।

11 संस्थाओं को अविश्वसनीय सूची में डाला

शुक्रवार को अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने के बाद, चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि कुछ वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लागू करने का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा करना है, साथ ही परमाणु अप्रसार जैसे अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करना है।

जयपुर सिलसिलेवार बम धमाका मामला

अदालत ने 4 आरोपियों को दोषी माना, 8 अप्रैल को सुनाएंगे सजा

मुंबई हलचल / जयपुर

राजस्थान में जयपुर की एक विशेष अदालत ने शहर में 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों से जुड़े एक मामले में चार आरोपियों को शुक्रवार को दोषी ठहराया। आठ अप्रैल को दोषियों को सजा सुनाई जाएगी। यह मामला 13 मई, 2008 को चांदपोल में मिले बम से जुड़ा है। इस बम को सुरक्षा दस्तों ने निष्क्रिय किया था। विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि जयपुर बम विस्फोट मामले की विशेष अदालत ने सरवर आजमी, शाहबाज, सैफुर्रहमान और

मोहम्मद सैफ को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दोषी करार दिया है। उन्होंने बताया कि अदालत ने सजा की अवधि तय करने के लिए आठ अप्रैल की तारीख तय की है।

19 डेमोक्रेटिक राज्यों ने ट्रंप के चुनाव आदेश को दी चुनौती

संविधान के उल्लंघन का लगाया बड़ा आरोप अटॉर्नी जनरलों ने कहा- आदेश असंवैधानिक

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया कार्यकारी आदेश के खिलाफ 19 डेमोक्रेटिक शासित राज्यों ने गुरुवार को मुकदमा दायर किया है। इन राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनावों में बदलाव लाने के प्रयास के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। यह मुकदमा ट्रंप के हालिया कार्यकारी आदेश के खिलाफ दायर किया गया है।

आदेश अलोकतांत्रिक और गैर-अमेरिकी

मामले में राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने अदालत में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास इस तरह के आदेश देने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने इसे असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक और गैर-अमेरिकी करार दिया। उन्होंने ये भी कहा कि ट्रंप का यह आदेश अमेरिकी चुनाव प्रणाली में सुरक्षा की आवश्यकता पर आधारित है, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका इस मामले में विफल रहा है।

अवैध मतदान रोकेगा: ट्रंप

इस मामले में राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि उनका ये आदेश गैर-नागरिकों द्वारा अवैध मतदान को रोकने के लिए है, हालांकि विभिन्न अध्ययन और जांचें यह साबित करती हैं कि ऐसा बहुत कम होता है। इस आदेश को कुछ रिपब्लिकन राज्यों के चुनाव अधिकारियों ने सराहा है, जिन्होंने इसे मतदाता धोखाधड़ी को रोकने का एक तरीका बताया है। इसके साथ ही इस आदेश में यह भी कहा गया है कि चुनाव दिवस के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी मेल-इन या अनुपस्थित मतपत्र को खारिज किया जाए।

यूपी में महिला अधिकारी ने बच्चों के साथ आत्महत्या की दी धमकी

कुशीनगर। कुशीनगर में एक बाल विकास परियोजना की प्रभारी CDPO अनुपमा सिंह ने विभाग के व्हाट्सएप ग्रुप में बच्चों के साथ आत्महत्या की धमकी दी है। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी शैलेन्द्र कुमार राय और मुख्य सेविका नीलम तिवारी को इसका जिम्मेदार बताया है। पीड़ित अनुपमा सिंह का कहना है कि DPO शैलेन्द्र राय उन पर अवैध वासुकी का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुष्टाहार पर

अवैध धन वसूली से मना करने पर डीपीओ ने उनकी सेवा समाप्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। इतना ही नहीं बल्कि नीलम तिवारी ने झूठे आरोप लगवाकर उन्हें नौकरी से हटवाने की कोशिश की। मंगलवार रात डीपीओ का संदेश आया इसके जवाब में अनुपमा ने आत्महत्या की चेतावनी दी। डीपीओ ने उन्हें तुरंत ग्रुप से निकाल दिया। अनुपमा ने कसया आंगनवाड़ी ग्रुप में भी यही चेतावनी दोहराई। मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सीडीओ गुंजन द्विवेदी ने अनुपमा को गुरुवार को कार्यालय बुलाया। सीडीओ कार्यालय में अनुपमा ने बताया कि वह कई वर्षों से विभाग में सेवारत हैं। उनका आरोप है कि अवकाश लेने या मीटिंग में देर होने पर वेतन काट लिया जाता था। डीपीओ लगातार सेवा विस्तार रोकने की धमकी देते थे।डीपीओ शैलेन्द्र कुमार राय ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि जिलाधिकारी ने उनका पक्ष सुनकर निर्देशालय को पत्र भेजा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक 567 अंक चढ़ा

बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स उछला एनएसई में निवेशक 11 करोड़ के पार

मुंबई हलचल / मुंबई

मजबूत वैश्विक रुझानों के बीच इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में तेजी आने से बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में रौनक लौट आई। सेंसेक्स करीब 567 अंक उछल गया जबकि निफ्टी ने एक बार फिर 23,150 के स्तर को हासिल कर लिया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 566.63 अंक यानी 0.75 प्रतिशत बढ़कर 76,404.99 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 624.77 अंक चढ़कर 76,463.13 के स्तर तक पहुंच गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी 130.70 अंक यानी 0.57 प्रतिशत चढ़कर 23,155.35 पर बंद हुआ।

इसके साथ ही घरेलू शेयर बाजारों ने पिछले कारोबारी सत्र की भारी गिरावट से पुरजोर वापसी की। मंगलवार को सेंसेक्स 1,235.08 अंक टूटकर सात महीनों के निचले स्तर 75,838.36 और निफ्टी 320.10 अंक गिरकर 23,024.65 पर बंद हुआ था। बुधवार को सेंसेक्स के समूह में शामिल शेयरों में से सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस ने सर्वाधिक 3.16 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। उसके अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में 2.97 प्रतिशत और टेक महिंद्रा में 2.28 प्रतिशत की तेजी रही।

एनएसई ने पांच महीनों में जोड़े एक करोड़ निवेशक

नई दिल्ली। शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने बुधवार को कहा कि उसके पंजीकृत निवेशकों की संख्या 11 करोड़ को पार हो गई है। इसमें अंतिम एक करोड़ पंजीकरण सिर्फ पांच महीनों में हुए हैं। यह निवेशकों की प्रत्यक्ष माध्यमों से शेयर बाजार में बढ़ती भागीदारी को बताता है। एनएसई में निवेशक पंजीकरण में हाल के दिनों में उल्लेखनीय तेजी देखी गई है और पिछले पांच वर्षों में इसमें 3.6 गुना उछाल आया है।

1142 शेयरों में रही तेजी

मानक सूचकांकों में बढ़ोतरी के बावजूद बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,802 नुकसान में रहीं जबकि 1,142 शेयरों में तेजी रही और 115 अन्य अपरिवर्तित रहे। क्षेत्रवार सूचकांकों में केंद्रित आईटी खंड में 2.19 प्रतिशत और आईटी खंड में 1.88 प्रतिशत की तेजी रही जबकि रियल्टी खंड में 4.53 प्रतिशत की तगड़ी गिरावट रही। इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवा कंपनी साएंट डीएलएम के शेयरों में 13.55 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई।

पिछने चार महीने में 10000 अंक गिरा सेंसेक्स

भारतीय शेयर बाजार में हाहाकार मचा है। महीने दर महीने गिरावट बढ़ती जा रही है। सेंसेक्स की बात करें तो अपने हाई से करीब 10000 अंक टूट चुका है। सेंसेक्स 27 सितंबर, 2024 को ऑल टाइम हाई 85,978 अंक पर था, जो कि 22 जनवरी 2025 को 12% यानी 10,000 अंक से ज्यादा टूटकर 75,816 पर आ गया। बुधवार को कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 75,816 के लोअर स्तर को छुआ, वहीं कारोबार के अंत में सेंसेक्स 76,404.99 अंक पर बंद हुआ। अब जब इंडेक्स पिछले चार महीने में 12 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है तो फिर पोर्टफोलियो में 40 से 50 फीसदी तक की गिरावट आम बात है, और यही गिरावट अब निवेशकों को डरा रहा है। इस गिरावट के कई कारण हैं। ओवरवैल्यूड शेयर प्राइस, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, तिमाही दर तिमाही कंपनियों के कमजोर नतीजे और अमेरिकी में ट्रंप सरकार की वापसी।

नशे की तस्करी के खेल में पुलिस अफसरों व कार्मिकों की मिलीभगत, 58 सस्पेण्ड

नागौर। प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार में पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों की संलिप्तता लगातार बढ़ रही है। पिछले पांच-छह साल में ऐसे कई प्रकरण सामने आए हैं, जब पुलिस अधिकारी और कार्मिक ड्रग्स की तस्करी में शामिल थे या छोटे-से लालच में आकर तस्करों को शह देते हुए पकड़े गए। हालांकि पकड़ में आने पर उन्हें सस्पेण्ड किया गया, लेकिन कुछ समय बाद वापस बहाल कर दिया गया। 66 प्रकरण तो ऐसे हैं, जिनमें पुलिस विभाग के अधिकारी और कार्मिकों की संलिप्तता ड्रग्स तस्करी में पाई गई। इसके अलावा सैकड़ों प्रकरण ऐसे हैं, जो पकड़ में ही नहीं आए। जिन पर नशे की तस्करी रोकने की जिम्मेदारी है, यदि वही इसको शह देने लगे तो कानून व्यवस्था का बंटाधार होना लाजमी है। यानी रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो जनता रक्षा की उम्मीद किससे करेगी, यह बड़ा सवाल है। नशे की तस्करी में संलिप्त पाए गए पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों पर तस्करों को पैसे लेकर छोडने, पुलिस विभाग की गुप्त जानकारी तस्करों को देने जैसे आरोप हैं। इनमें कुछ तो तस्करों के साथ मिलकर खुद के वाहनों से अफीम, स्मैक सहित अन्य मादक पदार्थ एवं नशीली गोलियां आदि की तस्करी करते पकड़े गए। एक पुलिसकर्मी तो निलम्बन काल के दौरान मुख्यालय से गैर हाजिर होकर स्मैक की तस्करी में पकड़ा गया। एक जना उदयपुर से जोधपुर जाने वाली बस में सफर के दौरान टिफिन में अफीम का दूध भर तस्करी करता पकड़ा गया। एक ने तस्करों को अवैध मादक पदार्थ उपलब्ध करवा दिया। एक पुलिसकर्मी ने तो हद कर दी। मादक पदार्थ तस्कर दो पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर भाग रहे थे, जिन्हें रास्ता बताया व नाकाबन्दी से निकालने का काम किया। गृह विभाग ने बताया कि प्रदेश में एक जनवरी 2019 से 31 दिसम्बर 2023 तक ड्रग्स की तस्करी के मामलों में राजस्थान पुलिस के कुल 66 अधिकारियों एवं कार्मिकों की संलिप्तता पाई जाने पर 35 अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध 31 प्रकरण तथा उक्त दर्ज प्रकरणों के अतिरिक्त 31 अधिकारी/कर्मचारियों के विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित की गई। एक जनवरी 2019 से 31 दिसम्बर 2023 तक की समयावधि में ड्रग्स तस्करी के मामले में संलिप्त पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए। इसमें सबसे अधिक छह प्रकरण चित्तौडगढ़. जिले में, 5 भीलवाड़ा में तथा चार-चार सिरोही व तृतीय बटालियन में दर्ज किए गए। इसी प्रकार जोधपुर व पाली में भी तीन-तीन प्रकरण दर्ज किए गए। अन्य जिलों में टोंक, जयपुर, चूरू, करोली, बाड़मेर, उदयपुर, प्रतापगढ़ आदि हैं, जहां एक से दो मामले पुलिस कार्मिकों के खिलाफ दर्ज किए गए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पंदन 2025: विरार में कैंसर जागरूकता और सहयोग का हुआ भव्य आयोजन, कई जानी-मानी हस्तियां हुईं शामिल

मुंबई। 3 अप्रैल 2025 को विरार में 'स्पंदन 2025' (Spandan 2025) का आयोजन हुआ, जिसमें कैंसर के प्रति जागरूकता और प्रभावित लोगों के लिए समर्थन बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया। यह भव्य आयोजन प्रसिद्ध कॉस्मेटिक डेंटिस्ट डॉ. प्रेमा क्षिरसागर द्वारा आयोजित किया गया था, जिनकी यह पहल समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। इस कार्यक्रम को फ्लोरियन फाउंडेशन और दै. मुंबई हलचल का समर्थन प्राप्त था और इसे सन लैब्स और पीडीसी (प्रवीन डेंटल क्लिनिक) द्वारा प्रायोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत एक दीप प्रज्वलन समारोह से हुई, जिसमें ज्ञान और आशा का प्रतीक बनाया गया। इस अवसर पर कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं, जिनमें दै. मुंबई हलचल के संस्थापक व संपादक दिलशाद एस. खान, अर्चना जैन (संस्थापक, फ्लोरियन फाउंडेशन, कौशिक दय (संस्थापक, सन लैब्स), डॉ. प्रवीन क्षिरसागर (संस्थापक, पीडीसी), सिद्धार्थ ठाकुर (राजनीतिक हस्ती) और डॉ. अर्चना जोशी (अध्यक्ष, विरार मेडिकल एसोसिएशन) शामिल थे। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण था कैंसर हेल्पलाइन नंबर का अनावरण, जो प्रभावित व्यक्तियों को त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था। इस हेल्पलाइन को राजीव पटिल, क्रांति रेडकर (सेलिब्रिटी), सचिन खेड़ेकर (सेलिब्रिटी), और डॉ. प्रेमा क्षिरसागर ने मिलकर लॉन्च किया। स्पंदन 2025 में एक ज्ञानवर्धक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें प्रसिद्ध पैथोलॉजिस्ट डॉ. सनी दय द्वारा मॉडरेट किए गए इस पैनल में कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इसमें डॉ. सुरेश पटिल (मानसिक रोग विशेषज्ञ), डॉ. हॉलिस डिसूजा (मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट), और डॉ. सूरज चिरानिया (हैमेटोलॉजिस्ट) जैसे विशेषज्ञ शामिल थे। सेलिब्रिटी सचिन खेड़ेकर और क्रांति रेडकर ने भी 'नशा मुक्त भारत' के बारे में अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले ग्यारह व्यक्तियों और संस्थाओं को 'आज के नायक' के रूप में सम्मानित किया गया। इन सम्मानित व्यक्तियों में संजीवनी हॉस्पिटल, प्रकृति हॉस्पिटल, और एमएमआईएस (मुलजीभाई मेहता इंटरनेशनल स्कूल) जैसे संस्थान शामिल थे। वहीं, डॉ. संदीप एन. पटिल, डॉ. शैलेश बारोट, डॉ. चिंतामणि लेले जैसे चिकित्सकों को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. प्रेमा क्षिरसागर ने अपने धन्यवाद भाषण में इस कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह कार्यक्रम समाज में एक बड़ा बदलाव लाने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने विशेष रूप से अपने परिवार और टीम का धन्यवाद किया, जिन्होंने उनके इस सपने को साकार किया। स्पंदन 2025 ने न केवल कैंसर के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया, बल्कि यह समाज में उन असंख्य नायकों को सम्मानित करने का भी एक अवसर बना, जो बिना किसी तामझाम के अपने कार्यों से दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ओटीटी पर धमाल मचाने आ रही है खुशी-जुनैद की 'लवयापा'

आमिर खान के बेटे जुनैद खान और दिवंगत श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर की रोम-कॉम फिल्म 'लवयापा' दर्शकों को काफी पसंद आई थी। यह फिल्म 7 फरवरी को थिएटर में रिलीज हुई थी। दरअसल, यह फिल्म दोनों स्टार्स की दूसरी फिल्म थी। क्योंकि जहां एक तरफ, जुनैद खान ने नेटफ्लिक्स फीचर महाराज से एक्टिंग में डेब्यू किया था तो दूसरी तरफ खुशी ने 'द आर्चीज' से अपने अभिनय की शुरूआत की थी। हालांकि, इस जोड़ी की फिल्म लवयापा ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखाया पाया था। ऐस में अब यह फिल्म थिएटर के बाद ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है, तो चलिए जानते हैं फिल्म कब और कहां रिलीज होगी। बता दें, स्नेहा देसाई द्वारा लिखी गई और सीक्रेट सुपरस्टार के अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित लवयापा ड्रैगन स्टार प्रदीप रंगनाथन और इवाना की तमिल फिल्म लव टुडे (2022) की रीमेक है। रोमांस के तड़के वाली लवयापा में खुशी और जुनैद खान ने अहम किरदार निभाया है। जेन जी पर बेस्ड ये फिल्म वैलेंटाइन वीक में 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। लेकिन फिल्म दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई। इन सबके बीच अब ये फिल्म ओटीटी पल्टेफॉर्म पर 4 अप्रैल से स्टीम हो रही है। इसे एक्सक्लूसिवली जियो हॉट स्टार पर देखा जा सकता है।

करिश्मा तन्ना को सिंगल होने पर किसकी खलती है कमी

टीवी एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना आज हर कोई जानता है। एक्ट्रेस अक्सर अपने ग्लैमरस स्टाइल को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं। हाल ही में तेरे गली में के एक एपिसोड में कामिया जानी करिश्मा तन्ना के बांद्रा स्थित घर में पहुंचीं। इस दौरान एक्ट्रेस ने उनसे

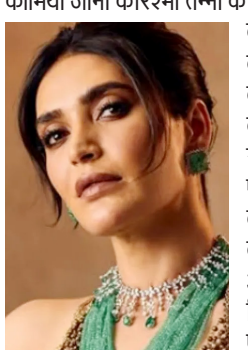

बातचीत के दौरान कई खुलासे किए। दरअसल, कामिया ने करिश्मा से पूछा कि क्या उन्हें सिंगल होने की कोई कमी खलती है। तब एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा कि, मुझे लगता है कि अपने कुत्ते के साथ ज्यादा समय बिताना चाहिए। उन्होंने बताया कि कुत्ता पालना एक बच्चे के पालने जैसा ही है। पारिवारिक जीवन, काम, अपने पति को समय देना और फिर अपने कुत्ते के बीच तालमेल बिठाते हुए, उन्हें लगता है कि अब वह अपने छोटे से प्यारे से बच्चे के साथ ज्यादा समय बिताना मिस करती हैं। बता दें, करिश्मा ने कुछ साल पहले वरुण बंगेरा के साथ शादी की थी। करिश्मा तन्ना की तरह ही, उनके पति के पास भी शादी से पहले एक कुत्ता था, जिसका नाम जैक है। तो, क्या दोनों कुत्ते साथ-साथ रहते हैं? 4 साल हो गए हैं, इसलिए वे साथ-साथ रहते हैं! वे सबसे अच्छे दोस्त नहीं हैं। वे कहते हैं कि सिर्फ इसलिए कि तुम दोनों ने शादी की है, उसका मतलब यह नहीं है कि हम दोनों को भी साथ रहना पड़ेगा, उन्होंने दो प्यारे जानवरों के बीच के समीकरण को मजेदार तरीके से साझा किया।

फिल्म हुनर ने प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में 16 पुरस्कार जीते हैं